गंगा प्रहरी पहल

जलज

अंतर्मन में बसा शहर
वाराणसी

वाराणसी को काशी के रुप में भी जाना जाता है जो कि गंगा नदी के किनारे स्थित प्राचीनतम शहरों में से एक है। यह ऐतिहासिक शहर अपने अंदर अनेकों धार्मिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक विरासतों को समेटे हुए है, जिसके प्रतीक स्वरुप यहां अनेकों मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा स्तूप हैं। ये आध्यामिक ज्ञान प्राप्ति के लिए विश्व के सर्वोत्तम शहरों में से एक है। विश्व के अनेक भागों से असंख्य तीर्थयात्री यहां वाराणसी के घाटों के किनारों एकत्रित होते हैं तथा अपने श्रद्धा सुमन मां गंगा को समर्पित करते हैं। वाराणसी नृत्य, गायन, कला, संगीत एंव साहित्य के क्षेत्र में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रेरणा का गढ़ रहा है। वाराणसी शहर में भारत की बेहतरीन सिल्क साड़ियों पर सांस्कतिक विरासत से परिपूर्ण जरी की बुनाई के काम की प्राचीनतम समृद्ध परम्परा है ।

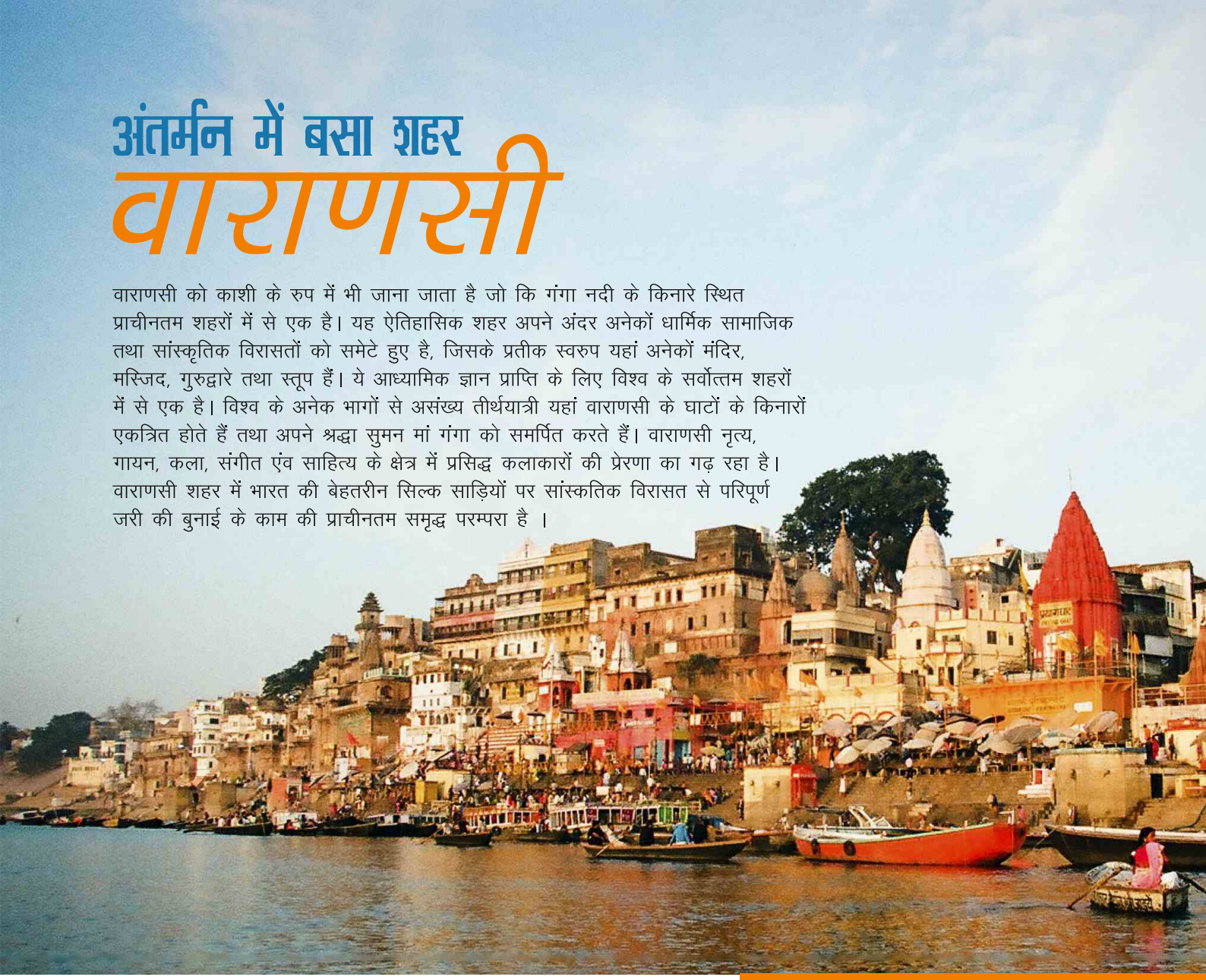

गंगा नदी में जीवन

गंगा नदी की जैवविविधता के विषय में बहुत कम लोग जानते हैं। गंगा में रहने वाले जलीय जीव जैसे गांगेय डॉल्फिन, घड़ियाल, मगर, ताजे पानी के कछुए, अनेक प्रजाति की मछलियां, पक्षियों की कई प्रजातियां तथा जलीय पौधे पाये जाते हैं। बड़ी संख्या में जलीय जीवों की प्रजातियों का समूह एक स्वस्थ पारिस्थतिकी तंत्र का प्रतीक है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने भारतीय वन्य जीव संस्थान को "जैवविविधता संरक्षण एंव गंगा जीर्णोद्धार" कार्यक्रम के तहत गंगा नदी के जलीय जीवों के संरक्षण के लिए विज्ञान आधारित जन सहभागिता के साथ परियोजना विकसित करने का कार्य सौंपा है। इस परियोजना के अंतर्गत भारतीय वन्य जीव

आपकी वाराणसी की यात्रा को रोचक एवं स्मरणीय बनाने के लिए गंगा नदी के किनारे स्थित गंगा प्रहरियों द्वारा निर्मित उत्पाद जो कि स्थानीय संसाधनों पर आधारित हैं, बिकी हेतु उपलब्ध हैं। भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा किये जा रहे इस नवाचारी प्रयास में स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्किल इंडिया प्रोग्राम, जवाहर लाल नेहरु नेशनल सोलर मिशन, दीनदयाल उपाध्याय योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, आदि द्वारा सहयोग किया जायेगा।

गंगा के रक्षक गंगा प्रहरी

संस्थान ने गंगा नदी के किनारे रहने वाले स्थानीय समुदाय में से गंगाप्रहरियों का गठन किया है। गंगाप्रहरी गंगा नदी की जैवविविधता एवं जलीय जीवों के संरक्षण के प्रति प्रतिबंद्ध हैं तथा स्थानीय समुदाय को जागरुक कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं।

जलज नौका में वाराणसी के घाटों में गंगा की लहरों के संगीत के साथ गंगा आरती आपको एक अलग दुनिया का अहसास करायेगी।

गंगा प्रहरी टूरिस्ट गाइड आपको वाराणसी के ग्रामीण परिवेश को निकट से देखने तथा महसूस करने का अद्भुत अनुभव करवायेंगे, व ग्रामीण बुनकरों से आपको रुबरु करवायेंगे। जलज नौका में आपको उन स्थानों का भ्रमण भी करवाया जायेगा जहां आप गांगेय डॉल्फिन को देख सकेंगे, विभिन्न कछुओं की प्रजातियों से परिचित हो सकेंगे और नदी के आस पास रहने वाले पक्षियों को देखेंगे।

किसान गंगा प्रहरियों की नर्सरी में तैयार फूल पौधे, औषधीय पौधे, फलों की पौध आपके लिए जलज नौका में उपलब्ध है।

कुशल प्रशिक्षित गंगा प्रहरी युवतियों द्वारा प्राकृतिक सौंदर्य चिकित्सा आपके सुखद अनुभूति का अहसास करायेगी। सौंदर्य चिकित्सा में प्राकृतिक उत्पादों का ही उपयोग किया जाता है। जैसे चंदन, जैविक हल्दी, घर में निर्मित उबटन, एलोवेरा, बेसन, चुकंदर, संतरे के छिलके आदि। कुशल मेंहदी विशेषज्ञाओं द्वारा मेंहदी को खूबसूरती के साथ अपनी हथेलियों पर सजवायें।

वाराणसी के घाटों एंव मंदिरों में उपयोग किये जाने वाले फूलों को ग्रामीण गंगा प्रहरी महिलाओं द्वारा सुखा कर तैयार अगर बत्ती व धूप बत्ती भी जलज में उपलब्ध है। लैंटाना जो एक खरपतवार के रुप में उग कर जमीन तथा जंगलों को नुकसान पहुंचा रही है, का तेल एवं धूप जलज नौका में उपलब्ध है, जो प्राकृतिक रुप से मच्छर रोधी है।

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता ही सेवा है परियोजना के अंतर्गत भारतीय वन्य जीव संस्थान द्वारा जैविक अपशिष्ट से तैयार खाद भी जलज नौका में उपलब्ध है।

महिला गंगा प्रहरियों के समूह द्वारा स्थानीय फसलों तैयार की गई स्वादिष्ट और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक मिठाइयां जलज बिक्री केंद्र में उपलब्ध है। जिन्हें आप प्रसाद के रुप में भी गंगा मां को समर्पित कर सकते हैं तथा अपने घर ले जा सकते हैं।

हम जलज नौका में जो भी अपशिष्ट होगा उसके प्रबंधन की जिम्मेदारी लेते हैं।

संपर्क सूत्र

डा0 रुचि बडोला सुश्री– सुनिता रावत

साइंटिस्ट जी–प्रोजेक्ट को.कॉर्डिनेटर कम्यूनिटी ऑफीसर
भारतीय वन्यजीव संस्थान भारतीय वन्य जीव संस्थान
चंद्रबनी, पो.ऑ. बॉक्स 18 चंद्रबनी–पो.ऑ बॉक्स–18
देहरादून –248001 देहरादून–248001
उत्तराखण्ड उत्तराखण्ड
ईमेल– ruchi@wii.gov.in ईमेल–sunita
टेलीफोन न0. 0135.2646210 rawat25@reddifmal.com
मोबाइल न0– 9760202776

NMCG

National Mission for Clean Ganga, Ministry of Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation

GACMC

Ganga Aqualife Conservation Monitoring Centre

Wildlife Institute of India

Chandrabani, Dehradun-248001 Uttarakhand

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

www.wii.gov.in/national_mission_for_clean_ganga